कुल छपे पृष्ठों की संख्या : 04
कुल छपे प्रश्नों की संख्या : 20

XI हिन्दी अनिवार्य

नामांक [ ]

अर्द्ध वार्षिक परीक्षा - 2022-23

विषय : हिन्दी अनिवार्य

कक्षा : XI (ग्यारहवीं)

समय : 3.15 घण्टे | पूर्णांक : 70

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. सर्वप्रथम परीक्षार्थी प्रश्न पत्र पर अपना नामांक अवश्य लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य है।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

राष्ट्रभाषा होने के लिए किसी भाषा में कुछ विशेषताएँ होना अनिवार्य होता है। सर्वप्रथम गुण उस भाषा की व्यापकता है जो भाषा देश के सर्वाधिक जनों और सर्वाधिक क्षेत्र में बोली और समझी जाती हो, वही राष्ट्रभाषा पद की अधिकारिणी होती है। भाषा की समृद्धता उसकी दूसरी विशेषता है। उस भाषा का शब्द-समुदाय, ज्ञान-विज्ञान की सभी उपलब्धियों को व्यक्त करने की क्षमता रखता हो। तीसरी विशेषता उसकी सरलता है। अन्य भाषा-भाषी उसे बिना कठिनाई के सीख सकें।

उपर्युक्त विशेषताओं के परिप्रेक्ष्य में विचार करने पर समस्त भारतीय भाषाओं में हिन्दी ही राष्ट्रभाषा की अधिकतम योग्यता रखती है। देश की अधिसंख्यक जनता द्वारा बोली एवं समझी जाती है। ज्ञान-विज्ञान के विविध विषयों पर उसमें साहित्य-निर्माण हुआ है और हो रहा है। तकनीकी और पारिभाषिक शब्दावली के लिए जहाँ उसे संस्कृत का समृद्ध शब्द-भण्डार प्राप्त है, वहीं उसकी पाचन-शक्ति भी उदार है।

प्र. (i) किसी राष्ट्रभाषा का मुख्य गुण है - 1

(अ) व्यापकता (ब) समृद्धता (स) सरलता (द) ये सभी

(ii) निम्न में से कौनसी भाषा भारत की राष्ट्रभाषा होने की अधिकतम योग्यता रखती है - 1

(अ) हिन्दी (ब) अंग्रेजी (स) संस्कृत (द) उर्दू

(iii) ज्ञान-विज्ञान के विविध विषयों पर हिन्दी भाषा में हुआ है - 1

(अ) साहित्य निर्माण (ब) तकनीकी निर्माण

(स) विदेशी संचार (द) व्यापार-विनिमय

(iv) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखें। 1

(v) किसी भाषा के राष्ट्रभाषा होने के लिए उसमें सबसे अधिक किस गुण का होना आवश्यक है? 1

(vi) हिन्दी भाषा को किस भाषा का व्यापक शब्द-भंडार प्राप्त हुआ है? 1

(vii) सर्वाधिक साहित्य निर्माण किस भाषा में किया गया है? 1

कृ.पृ.उ.

2. निम्न अपठित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए

अरुण यह मधुमय देश हमारा।
जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा।
सरस तामरस गर्भ विभा पर नाच रही तरुशिखा मनोहर।
छिटका जीवन हरियाली पर मंगल - कुंकुम सारा।
लघु सुरधनु से पंख पसारे - शीतल मलय समीर सहारे।
उड़ते खग जिस ओर मुँह किये - समझ नीड़ निज प्यारा।
बरसाती आँखों के बादल - बनते जहाँ भरे करुणा जल।
लहरें टकराती अनंत की - पाकर जहाँ किनारा।
हेम कुंभ ले उषा सवेरे - भरती ढुलकाती सुख मेरे।
मदिर उँघते रहते - जब - जगकर रजनी भर तारा।

(i) 'लघु सुरधनु से पंख पसारे' पंक्ति में अलंकार है - 1

(अ) अनुप्रास (ब) उपमा (स) यमक (द) कोई नहीं

(ii) पक्षी किसे अपना घोंसला समझकर उड़ते चले आते हैं - 1

(अ) भारत देश को (ब) जंगल को

(स) पेड़ों को (द) शाखाओं को

(iii) दूसरों के दुःख को अपना दुःख कौन समझते हैं? 1

(iv) उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखें। 1

(v) 'हेम कुंभ ले उषा सवेरे - भरती ढुलकाती सुख मेरे' पंक्ति में कौनसा अलंकार है? 1

(vi) प्रस्तुत पद्यांश में भारत की किन विशेषताओं का वर्णन किया गया है? 1

(vii) रजनी शब्द से क्या तात्पर्य है? 1

3. सत्य / असत्य का चयन कीजिए -

(i) मियां नसीरुद्दीन पाँच प्रकार की रोटियाँ बनाना जानते थे। सत्य/असत्य 1

(ii) पथेर पांचाली फिल्म की शूटिंग का कार्य ढाई साल तक चला। सत्य/असत्य 1

(iii) 'स्पीति में बारिश' लेखक कृष्णनाथ का यात्रा-वृतांत है सत्य/असत्य 1

(iv) मीरां भक्तिकाल की सगुण काव्यधारा की राम-भक्त कवयित्री थी। सत्य/असत्य 1

(v) भवानी प्रसाद मिश्र को कविता का गाँधी कहा जाता है। सत्य/असत्य 1

4. रिक्त स्थान भरें -

(i) मासिक वेतन को .... कहा गया है। अमावस्या/पूर्णमासी का चाँद 1

(ii) विदाई सम्भाषण बालमुकुन्द गुप्त की रचना .... का एक अंश है। खेल तमाशा/शिवशंभु के चिट्ठे 1

(iii) रजनी एक जुझारू, कर्मठ एवं अन्याय का .... वाली महिला थी। सहन करने/विरोध करने 1

(iv) सुमित्रानंदन पंत .... युग के कवि माने जाते हैं। प्रयोगवादी/छायावादी 1

(v) हिन्दी में सॉनेट (अंग्रेजी छंद) को स्थापित करने वाले कवि .... माने जाते हैं। त्रिलोचन/रामनरेश त्रिपाठी 1

5. निम्न प्रश्नों के उत्तर दें

(i) 'एक कंठ विषपायी' किस कवि की रचना है? 1

(ii) कबीर ने स्वयं को दीवाना क्यों कहा है? 1

(iii) 'नौकरी में ओहदे की तरफ ध्यान मत देना, यह तो पीर की मजार है, निगाह चढ़ावे और चादर पर रखनी चाहिए।' ये शब्द किसने कहे? 1

(iv) लाहुल-स्पीति वर्तमान में किस राज्य में स्थित है? 1

6. चित्रपट संगीत व शास्त्रीय संगीत में दो अन्तर लिखें। 2

7. निजी होते हुए भी सार्वजनिक क्षेत्र में कुंइयों पर ग्राम समाज का अंकुश लगा रहता है। लेखक ने ऐसा क्यों कहा होगा? 2

8. बेबी की जिंदगी में यदि तातुश का परिवार न आया होता तो बेबी का जीवन कैसा होता? 2

9. 'नमक का दरोगा' कहानी के निम्न पात्रों के व्यक्तित्व की विशेषताएँ लिखिए - 2

(i) अलोपीदीन (ii) मुंशी वंशीधर

10. लेखिका मियां नसीरुद्दीन के पास क्यों गई थी? 2

11. 'वे आँखें' कविता में किसान की पीड़ा के लिए किन्हें जिम्मेदार बताया गया है? 2

12. प्रतिवेदन के प्रमुख तत्व कौन-कौन से हैं? 2

13. प्रेमचन्द अथवा सुमित्रानंदन पंत का परिचय लिखिए। 2

14. 'बिरादरी का यही सहारा होता है' - गलता लोहा कहानी के आधार पर ये शब्द किसने, किसे व क्यों कहे? 2

15. 'भीड़ भरी बस के अनुभव' विषय पर एक फीचर तैयार कीजिए। 3

16. लता की गायकी की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 3

अथवा

पालरपानी, पातालपानी व रेजाणीपानी में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

17. स्पीति के लोगों और मैदानी भागों में रहने वाले लोगों के जीवन की तुलना कीजिए। 3

अथवा

सूर्योदय वर्णन के लिए कवि ने किस तरह के बिंबों का प्रयोग किया है? पथिक कविता के आधार पर लिखिए।

18. निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या करो - 3

संतो देखत जग बौराना।
साँच कहौं तो मारन धावै, झूठे जग पतियाना।
नेमी देखा धरमी देखा, प्रात करै असनाना।
आतम मारि पखानहि पूजै, उनमें कछु नहिं ज्ञाना।

अथवा

अन्धकार की गुहा सरीखी उन आँखों से डरता है मन,
भरा दूर तक उनमें दारुण, दैन्य दुःख का नीरव रोदन।
वह स्वाधीन किसान रहा, अभिमान भरा आँखों में इसका,
छोड़ उसे मँझधार आज, संसार कगार सदृश बह खिसका।

19 कार्यालय शिक्षा निदेशक, राजस्थान की ओर से राज्य के समस्त जिला शिक्षा अधिकारियों को एक पत्र लिखिए, जिसमें योगासन एवं प्राणायाम को विद्यालयों में दैनिकचर्या का अंग बनाए जाने का उल्लेख हो। 5

अथवा

स्वयं को वार्ड पार्षद मानते हुए जिलाधीश, सीकर को एक कार्यालय पत्र लिखिए, जिसमें आपके क्षेत्र में फैली हुई रहस्यमयी पशुओं की लम्पी बिमारी से राहत दिलवाने के लिए विशेष चिकित्सकों की एक टीम भेजने का उल्लेख हो।

20. निम्न में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए - (300 शब्दों में) 7

(i) योग : स्वास्थ्य की कुंजी

(ii) मोबाइल का बढ़ता प्रभाव : शारीरिक एवं सामाजिक नुकसान

(iii) बेरोजगारी : समस्या और समाधान

(iv) वर्तमान समाज : नारी के बढ़ते कदम

*****